भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 370

दिनांक 21 जुलाई, 2026

गन्ने की खेती के लिए पहल

370. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, गन्ना प्रजनन संस्थान और कृषि विज्ञान केंद्र ने पलक्कड़ के अट्टापडी ब्लॉक में जनजातीय लोगों को गन्ना फसल उत्पादन को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित करने हेतु एक संयुक्त पहल की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-गन्ना प्रजनन संस्थान, बीज और तकनीकी इनपुट प्रदान करेगा जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पलक्कड़ अट्टापडी ब्लॉक में गुड़ उत्पादन इकाई स्थापित करेगा;
(घ) क्या केरल में लगभग 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की फसल उगाई जाती है; और
(ङ) क्या अट्टापडी के जनजातीय समुदाय ने बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती करने के लिए अपनी तत्परता व्यक्त की है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) से (ग): जी, हाँ। डीएपीएसटीसी (DAPSTC) (अनुसूचित जनजाति घटक के लिए विकास कार्य योजना) परियोजना के तहत, भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान (ICAR-SBI) ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DA-JGUA) के तहत अधिसूचित गाँव, पुदुर में एक आदिवासी महिला किसान के खेत पर गन्ने की किस्म 'सीओ 14012' का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) किया। यह प्रदर्शन आदिवासी किसानों और विस्तार कर्मियों को स्थानीय परिस्थितियों में 'सीओ 14012' का खेत में प्रदर्शन और उपज क्षमता का सीधा अनुभव प्रदान करने की एक अग्रणी पहल है।

फरवरी 2025 के दौरान भाकृअनुप - केवीके, पलक्कड़ के सहयोग से 'आदिवासी आय में वृद्धि (ATCETI@Attapady)' के लिए एक जागरूकता-सह-प्रशिक्षण अभियान आयोजित किया गया, जिसके बाद ग्राम-स्तरीय कई बैठकें हुईं। गन्ने की खेती को बढ़ावा देने, स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने और गन्ना-आधारित कृषि प्रणालियों में आदिवासी किसानों की ज्यादा भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, जून 2026 के दौरान अट्टापडी की मेलाचूटरा बस्ती में एक 'आदिवासी जागरूकता अभियान' आयोजित किया गया।

अट्टापडी में आयोजित खेत दिवस के दौरान, सभी प्रतिभागियों को गन्ने की खेती अपनाने हेतु प्रेरित करने के लिए 'सीओ 14012' की गुणवत्तापूर्ण बीज सामग्री उपलब्ध कराई गई। नियमित अंतराल पर चलाए जाने वाले जागरूकता और प्रशिक्षण अभियानों के जरिए तकनीकी जानकारी दी जाती है। भाकृअनुप-केवीके, पलक्कड़ अट्टापडी में छोटे स्तर की एक गुड़ उत्पादन प्रदर्शन इकाई स्थापित कर रहा है।

(घ) एवं (ङ): जी, हाँ। 2021 के दौरान केरल में लगभग 920 हेक्टेयर में गन्ने की खेती की गई थी, जो 2025 के दौरान घटकर 253.20 हेक्टेयर रह गई है।

******